राजकीय महाविद्यालय मुवानी, (पिथौरागढ़)

नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत

वेबिनार

"नशीली दवाओं के दुरूपयोग का समाज पर प्रभावं"

मुख्य वक्ता

डॉ0 हिमांशु कुमार

असिस्टेण्ट प्रोफेसर–समाजशास्त्र

चमन लाल महाविद्यालय लंढौरा, रूडकी, हरिद्वार (उत्तराखंड)

दिनांकः 04 नवंबर 2025, समय प्रातः 11 बजे

(डॉ० गिरीश चन्द्र पन्त)
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय, मुवानी
पिथौरागढ।

(डॉ0 सुधीर कुमार)
संयोजक
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
पिथौरागढ़।

कार्यालय : प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुवानी, पिथौरागढ़
Mobile No.-9412926835
E-Mail- gdcmuwani@gmail.com

"नशीली दवाओं के दुरूपयोग का समाज पर प्रभाव"
वेबिनार की आख्या

दिनॉक : 04 नवम्बर 2025

राजकीय महाविद्यालय, मुवानी, पिथौरागढ़ । दिनांक 04 नवम्बर 2025 को महाविद्यालय में एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय **"नशीली दवाओं के दुरूपयोग का समाज पर प्रभाव"** इस ऑनलाइन वेबिनार में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस वेबिनार का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को नशीली दवाओं के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा एक स्वस्थ, सजग एवं नशामुक्त समाज की संकल्पना को सुदृढ करना था।

जिसमें उत्तराखंड के प्रतिष्ठित समाजशास्त्र के विद्वान एवं चमनलाल महाविद्यालय, लंढौरा (रुडकी), हरिद्वार के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य **डॉ० हिमांशु कुमार** ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की।

मुख्य वक्तव्य **डॉ० हिमांशु कुमार** (सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र) ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में नशीली दवाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कि भारत में विशेषतः किशोर एवं युवा वर्ग नशे की चपेट में तेजी से आ रहा है, जिससे न केवल उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्किल्कि सामाजिक संरचना भी क्षतिग्रस्त हो रही है।

उन्होंने नशे के कारण बढती पारिवारिक विघटन की घटनाओं, आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि, बेरोजगारी, तथा शिक्षा से विमुख होते छात्रों की समस्याओं को रेखांकित किया। डॉ कुमार ने इस समस्या के समाधान हेतु सामुदायिक सहभागिता, विद्यालयों व महाविद्यालयों में परामर्श केंद्रों की स्थापना तथा जन–जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर बल दिया।

प्राचार्य **डॉ० गिरीश चन्द्र पंत** (राजकीय महाविद्यालय, मुवानी) महोदय ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में नशे की समस्या को एक सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षरण के रूप में निरूपित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे छात्रों को नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण करें और उन्हें एक जागरूक नागरिक के रूप में समाज में स्थापित करें। उन्होंने इस वेबिनार के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि कि "स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज की नींव है।"

डॉ० **सुधीर कुमार** (प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग) ने समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से नशे की प्रवृत्तिका विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि कि जब समाज में मूल्यहीनता, आत्मसंतोष की कमी तथा पारिवारिक विघटन जैसी स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, तब व्यक्ति पलायनवादी प्रवृत्ति अपनाते हुए नशे का सहारा लेता है। उन्होंने विशेषकर ग्रामीण युवाओं में बढती नशे की प्रवृत्ति को चिन्हि करते हुए स्थानीय स्तर पर जन–जागरूकता को अनिवार्य बताया।

डॉ० **संजीव कुमार** (प्रभारी, अंग्रेजी वि वि भाग) ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कि भाषा एवं साहित्य न केवल समाज का दर्पण होते हैं, बल्कि सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध चेतना जागृत करने का भी सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में ड्रग अब्यूज की प्रस्तुति का उदाहरण देते हुए युवाओं को सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने हेतु प्रेरित किया।

डॉ० रूपेश कुमार (प्रभारी, हिन्दी विभाग) ने हिन्दी साहित्य में सामाजिक समस्याओं के चित्रण की चर्चा करते हुए कहा कि कि नशे के विरुद्ध साहित्यकारों ने सदा से चेतावनी दी है। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों को दर्शाने वाली काव्य एवं कथा–संरचनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि कि रचनात्मक साहित्य युवाओं में नैतिक जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य करता है।

श्री राजकमल किशोर (प्रभारी, राजनीति विज्ञान विभाग) ने राज्य की उत्तरदायित्वशीलता की चर्चा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 47 स्पष्ट रूप से राज्य को मादक द्रव्यों के उपभोग को हतोत्साहित करने हेतु प्रेरित करता है। उन्होंने शासन की वर्तमान नीतियों, नशामुक्ति केंद्रों की भूमिका एवं विधायी उपायों पर प्रकाश डालते हुए जन सहभागिता को सबसे प्रभावशाली उपाय बताया।

डॉ० नीमा जोशी (प्रभारी, संस्कृत विभाग) ने वैदिक एवं पौराणिक साहित्य का उदाहरण देते हुए कहा कि कि "आत्मसंयम ही जीवन की सर्वोच्चशक्ति है"। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की चर्चा करते हुए नशा– विरोधी अभियान को आत्मानुशासन और संयम के सिद्धांतों से जोडने की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यार्थियों ने विषय पर जिज्ञासा प्रकट करते हुए प्रश्न भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर दिया।

इस वेबिनार में महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापकगण, छात्र–छात्राएँ एवं अन्य शैक्षिक व गैर–शिक्षकीय स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में युवाओं की रचनात्मक भूमिका को स्वीकारते हुए नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ किया गया।

कार्यालय : प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुवानी, पिथौरागढ़
Mobile No.-9412926835
E-Mail- gdcmuwani@gmail.com

वेबिनार में उमा, कविता, भावना, कमल कुमार, बानी चन्द, सोनिया राठौर, योगेश सिंह, पूजा, नीलम, पूजा चन्द, चन्द्रकला, कंचन, संजन्ना, ने भी अपने विचार रखे।

वेबिनार का संचालन **डॉ सुधीर कुमार** ने किया।

वेबिनार मे प्रतिभागियों को सम्बोधित करते प्राचार्य

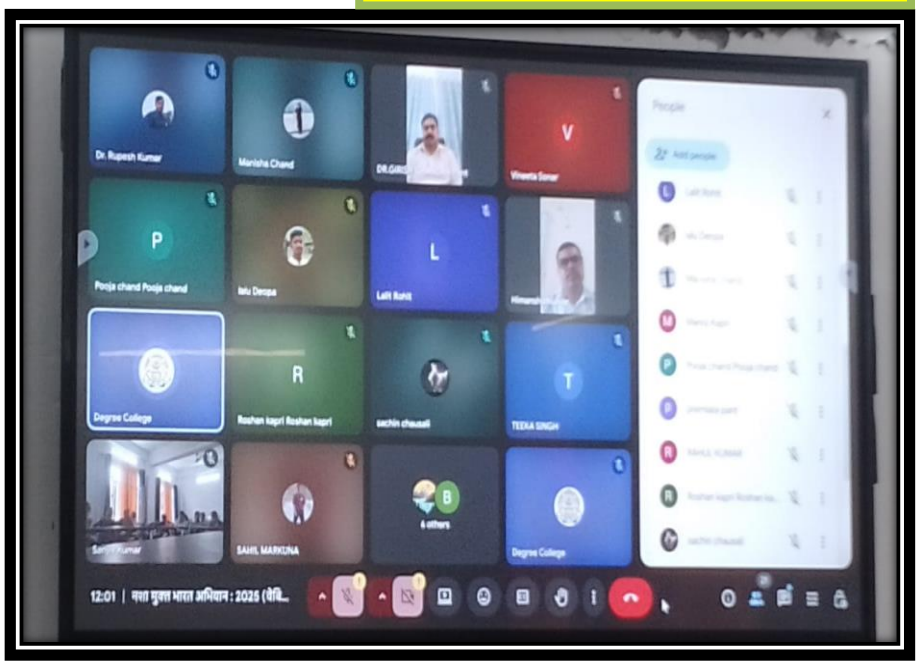

वेबिनार मे प्रतिभाग करते प्रतिभागी

कार्यालय : प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुवानी, पिथौरागढ़

Mobile No.-9412926835

E-Mail- gdcmuwani@gmail.com

वेबिनार मे प्रतिभाग करते प्राध्यापकगण

(डॉ सुधीर कुमार)
संयोजक
(असिस्टेण्ट प्रोफेसर–समाजशास्त्र)
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
पिथौरागढ़।

(डॉ0 गिरीश चन्द्र पन्त)
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
पिथौरागढ़

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

****